॥ तुलस्यष्टोत्तरशतनामावलिः॥

तुलस्यै नमः पावन्ये नमः पूज्यायै नमः वृन्दावननिवासिन्ये नमः ज्ञानदात्र्ये नमः ज्ञानमय्ये नमः निर्मलायै नमः सर्वपूजितायै नमः सत्यै नमः पतिव्रतायै नमः 80 वृन्दायै नमः क्षीराब्धिमथनोद्भवायै नमः कृष्णवर्णायै नमः रोगहन्त्र्ये नमः त्रिवर्णाये नमः

सर्वकामदायै नमः

लक्ष्मीसख्यै नमः

नित्यशुद्धायै नमः

भूमिपावन्यै नमः

सुदत्ये नमः

हरिद्रान्नैकनिरतायै नमः हरिपादकृतालयायै नमः पवित्ररूपिण्यै नमः धन्यायै नमः सुगन्धिन्यै नमः अमृतोद्भवाये नमः सुरूपायै आरोग्यदायै नमः तुष्टायै नमः शक्तित्रितयरूपिण्यै नमः देव्यै नमः ३० देवर्षिसंस्तुत्यायै नमः कान्तायै नमः विष्णुमनःप्रियायै नमः भूतवेतालभीतिद्रयै नमः महापातकनाशिन्यै नमः मनोरथप्रदायै नमः मेधायै नमः कान्त्ये नमः विजयदायिन्यै नमः शङ्खचकगदापद्मधारिण्ये नमः ४०

| कामरूपिण्यै नमः | | त्रिवर्गफलदायिन्यै नमः | |
|------------------------|----|-------------------------------|----|
| अपवर्गप्रदायै नमः | | महारात्त्ये नमः | |
| २यामायै नमः | | महामायायै नमः | |
| कृशमध्यायै नमः | | लक्ष्मीवाणीसुपूजितायै नमः | |
| सुकेशिन्यै नमः | | सुमङ्गल्यर्चनप्रीतायै नमः | |
| वैकुण्ठवासिन्यै नमः | | सौमङ्गल्यविवर्धिन्यै नमः | |
| नन्दाये नमः | | चातुर्मास्योत्सवाराध्यायै नमः | |
| बिम्बोष्ठ्ये नमः | | विष्णुसान्निध्यदायिन्यै नमः | ७० |
| कोकिलस्वरायै नमः | | उत्थानद्वादशीपूज्यायै नमः | |
| कपिलायै नमः | ५० | सर्वदेवप्रपूजितायै नमः | |
| निम्नगाजन्मभूम्यै नमः | | गोपीरतिप्रदायै नमः | |
| आयुष्यदायिन्यै नमः | | नित्यायै नमः | |
| वनरूपायै नमः | | निर्गुणायै नमः | |
| दुःखनाशिन्यै नमः | | पार्वतीप्रियायै नमः | |
| अविकारायै नमः | | अपमृत्युहरायै नमः | |
| चतुर्भुजायै नमः | | राधाप्रियायै नमः | |
| गरुत्मद्वाहनायै नमः | | मृगविलोचनायै नमः | |
| शान्तायै नमः | | अस्रानायै नमः | ८० |
| दान्तायै नमः | | हंसगमनायै नमः | |
| विघ्ननिवारिण्यै नमः | ६० | कमलासनवन्दितायै नमः | |
| श्रीविष्णुमूलिकायै नमः | | भूलोकवासिन्यै नमः | |
| पुष्ट्यै नमः | | शुद्धायै नमः | |
| • | I | • | |

800

रामकृष्णादिपूजितायै नमः

सीतापूज्यायै नमः

राममनःप्रियायै नमः

नन्दनसंस्थितायै नमः

सर्वतीर्थमय्यै नमः

मुक्तायै नमः ९०

लोकसृष्टिविधायिन्यै नमः

प्रातर्दश्यायै नमः

ग्लानिहन्त्र्ये नमः

वैष्णव्ये नमः

सर्वसिद्धिदायै नमः

नारायण्यै नमः

सन्ततिदाये नमः

मूलमृद्धारिपावन्यै नमः

अशोकवनिकासंस्थायै नमः

सीताध्यातायै नमः

निराश्रयायै नमः

गोमतीसरयूतीररोपितायै नमः

कुटिलालकायै नमः

अपात्रभक्ष्यपापघ्र्ये नमः

दानतोयविशुद्धिदायै नमः

श्रुतिधारणसुप्रीतायै नमः

शुभायै नमः

सर्वेष्टदायिन्यै नमः

१०८

॥ इति श्री-तुलस्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at: http://stotrasamhita.net/wiki/Tulasi_Ashtottara_Shatanamavali.

Begin generated on October 13, 2024